विद्यार्थी प्रतिपुष्टि मापनी

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन

(सत्र 2012–13)

विद्यार्थी प्रतिपुष्टि हेतु मेरे द्वारा समय–समय पर विद्यार्थी प्रतिपुष्टि मापनी की सहायता से शिक्षण कौशल के विभिन्न आयामों पर विद्यार्थियों द्वारा प्रतिपुष्टि ली जाती रही है। प्रतिपुष्टि मापनी की सहायता से यह बात उभर कर सामने आयी कि कक्षा में अध्यापन के दौरान ब्याख्यान प्रारम्भ करने का कौशल, भाषा की सहजता एवं सुबोधता, बोलने की सहजता, वाद–विवाद कौशल, पाठगति, व्याख्यान समापन सम्बन्धी शिक्षण कौशल अति उत्तम रहा है। अध्यापन के क्रम में अन्य शिक्षण कौशल जैसे रुचिकर युक्तियों का प्रयोग, दृश्य–श्रब्य साधनों का प्रयोग, मानचित्र एवं प्रायोगिक प्रदर्शन, श्यामपट्ट लेखन, प्रकरण के अनुरुप एवं प्रभावी रहा है।

उपरोक्त में शिक्षण बिन्दुओं का दोहराव, पूर्वज्ञान से सम्बन्धित प्रश्नों को पूछना, सम्बन्धित युक्तियों का प्रयोग एवं मुख्य शिक्षण बिन्दुओं पर पुर्नकेन्द्रण सम्बन्धी कौशल के बारे में विद्यार्थियों की प्रतिपुष्टि के आधार पर यह बात उभर कर सामने आती है कि इन शिक्षण कौशलों का प्रयोग भी अन्य प्रभावी शिक्षण कौशल की भॉति किया जाना चाहिए।

विगत वर्षों द्वारा शिक्षण कौशल सम्बन्धी विभिन्न आयामों को ध्यान में रखकर कक्षा में अध्ययन–अध्यापन का कार्य किया जा रहा है। बीच–बीच में अध्यापन कार्य में रह जानेवाली त्रृटियों एवं उनमें सुधार हेतु विद्यार्थियों की प्रतिपुष्टि ली जाती रही है। जिसकी सहायता से लगातार शिक्षण सम्बन्धी कौशल मे सुधार करने का प्रयास किया जाता रहा है। इस सन्दर्भ में विद्यार्थी प्रतिपुष्टि मापनी का प्रयोग अत्यन्त प्रभावी सिद्ध हुआ है।

दि0 22/12/2012

B. Singh

विजेन्द्र सिंह
सहायक प्राध्यापक
रक्षा अध्ययन
सकलडीहा पी0जी0 कालेज,
सकलडीहा–चन्दौली